VEDIC STUDIES 'वैदिक अध्ययन'

Programme: *Under Graduation*	**Year: II**	**Semester:IV**
Subject: Co-Curricular Corse		
CourseCode: CCS04	**Course Title: वैदिक अध्ययन**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

वेद शब्द का अर्थ ज्ञान की राशि या ज्ञान का संग्रह ग्रन्थ है। प्राचीन ऋषियों ने जो ज्ञान अर्जित किया था, उसका संग्रह वेदों में है। वेद अपौरुषेय एवं आप्तवचन हैं। इनमें प्रतिपादित धर्म और ज्ञान शब्द–प्रमाण हैं। प्रत्यक्ष और अनुमान से जिन बातों का ज्ञान नहीं हो सकता, उनका बोध वेदों से ही होता है। विद्यार्थियों को वैदिक अध्ययन के अन्तर्गत वेद परिचय, वैदिक साहित्य, वेदाङ्ग, वैदिक मन्त्र, देवता, सूक्तों एवं कल्पसूत्रों में निहित समग्र–ज्ञान राशि का अवबोध एवं यथार्थ ज्ञान से आत्मगौरव का अनुभव होगा। इसी उद्देश्य से सह–पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्नातक चतुर्थ सत्रार्द्ध में 'वैदिक अध्ययन' पाठ्यक्रम समावेशित किया गया हैं। विद्यार्थियों के सर्वाङ्गीण विकास के लिए एवं भारतीय ज्ञान परम्परा को अग्रसारित करने हेतु भी वैदिक–अध्ययन का 'पाठ्यक्रम' सहायक होगा।

Credits: Nil	**Co-Curricular Corse**
Max. Marks: 100	**Min. Passing Marks: 40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वेद परिचय–संहिताएँ– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद– परिचय एवं महत्त्व। ब्राह्मण– परिचय, वेदों से सम्बन्धित बाह्मण ग्रन्थ, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व। आरण्यक– परिचय, वेदों से सम्बन्धित आरण्यक ग्रन्थ, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व। उपनिषद्– परिचय, वेदों से सम्बन्धित उपनिषद्, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व। वेदाङ्ग– परिचय, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।	05
Unit II	वैदिक मन्त्र, सूक्त देवता एवं कल्पसूत्र– वैदिक मन्त्र, सूक्त, देवता परिचय एवं विशेषताएँ। कल्पसूत्र परिचय एवं महत्त्व, श्रौत सूत्र एवं वेद के श्रौतसूत्र, गृह्यसूत्र परिचय एवं प्रमुख गृह्यसूत्र, धर्मसूत्र परिचय एवं प्रमुख धर्मसूत्र, शुल्ब सूत्र परिचय, प्रमुख शुल्बसूत्र एवं महत्त्व।	05
Unit III	वेदों में विज्ञान– वेदों में निहित विज्ञान का परिचय, सम्बन्ध एवं महत्त्व, वेद में निहित विविध रसायन, भौतिक, वनस्पति, जन्तुविज्ञान, कृषि विज्ञान परिचय एवं महत्त्व, वेद में आयुर्विज्ञान परिचय एवं महत्त्व, वेदों में निहित गणितशास्त्र परिचय एवं महत्त्व, वेदों में निहित पर्यावरण परिचय एवं महत्त्व।	05
Unit IV	वैदिक समाज एवं परिवार– परिचय एवं महत्त्व, वैदिक जनराज्य, वैदिक प्रशासनिक व्यवस्था, वैदिक कालीन भौगौलिक स्थिति, वैदिक कालीन आर्थिक जीवन वैदिक ऋषि एवं ऋषिकाओं का परिचय एवं उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका।	05
Unit V	वैदिक गुरुकुल परम्परा– गुरुकुल परम्परा परिचय एवं महत्त्व, शिक्षा, शिक्षा के छः घटक तत्त्व– शिक्षक, शिक्षार्थी, शिक्षा के केन्द्र, शिक्षा का विषय, माता–पिता तथा समाज परिचय एवं महत्त्व।	05
Unit VI	वैदिक यज्ञ परिचय– वैदिक यज्ञ परिचय, महत्त्व, प्रमुख यज्ञ–दर्श, पौर्णमास, सोमयाज्ञ, सर्वमेध, वाजपेय, राजसूय, सौत्रामणी, अश्वमेध परिचय एवं महत्त्व।	05
	Class Room Lectures	

	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	

Suggested Reading:

1. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्ण सिंह, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहत इतिहास– प्रथम खण्ड वेद– पद्मभूषण आचार्य श्री बलदेव उपाध्याय, उ0प्र0सं0सं0 लखनऊ।
3. वेदों में राजनीति– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदौही।
4. वेदों में विज्ञान–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदौही।
5. वेदों में आयुर्विज्ञान–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदौही।
6. वैदिक गणित– जगद्गुरू स्वामी, भारतीय कृष्ण तीर्थ, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
7. प्राचीनकालीन वैदिक शिक्षाप्रणाली– शिक्षा और भारतीय विरासत, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय।
8. भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएँ– डॉ0 रमन बिहारी लाल, राज प्रिन्टस, मेरठ।
9. वेद की विचारधारा का वैज्ञानिक आधार– डॉ0 सत्यव्रत सिद्धान्ताऽलंकार, चौखम्बा पुस्तक भण्डार, दिल्ली।
10. वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप– डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डे, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
11. अथर्ववेदीय चिकित्सा एवं ओषधि–विज्ञान– डॉ0 शालिनी शुक्ला, अक्षयवट प्रकाशन 26, बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद।
12. ऋग्वेदीय ओषधियाँ– डॉ0 शालिनी शुक्ला, अक्षयवट प्रकाशन 26, बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: